

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-848125

बुलेटिन संख्या-६०

दिनांक- मंगलवार, ०३ अगस्त, २०२१



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 24.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 78 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.2 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.0 एवं दोपहर में 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 46.0 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

( 04-08 अगस्त, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04-08 अगस्त, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में हल्की हल्की वर्षा होने की सम्भावना है तथा कहीं कहीं मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 65 से 75 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 08 से 10 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार के साथ अगले एक से दो दिनों तक पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है।

**समसामयिक सुझाव**

- विगत सप्ताह में उत्तर बिहार में वर्षा हुई है। अभी वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कहुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सके।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकूल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-9, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी 90 मीटर, बीजु के लिए 92 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5 x 2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकते हैं।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 950-2000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 20 किलोग्राम स्फुर एवं 20 किलोग्राम पोटाश के साथ 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतों को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। जिन किसान भाई का प्याज का पौध 45-50 दिनों का हो गया हो वे पॉवित से पॉवित की दुरी 95 से०मी०, पौध से पौध की दुरी 90 से०मी० पर रोपाई करें। पिछत बोयी गई प्याज की पौधशाला में नियमित रूप से कीट एवं रोग-व्याधि की निगरानी करतें रहें। स्वस्थ एवं सुडौल पौध के लिए पौधशाला से खरपतवार को निकालते रहें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों में गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-267 अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- खरीफ मक्का की फसल में कीट-व्याधियों एवं फफूंदी धब्बों की निगरानी करतें रहें। कीट अथवा रोग की उपस्थिती में उपचार हेतु अनुशंसित दवा का छिड़काव करें। मक्का की 30-35 दिनों वाली फसल में बछनी कर 40 किलोग्राम नेत्रजन का व्यवहार करें। खड़ी फसलों एवं नर्सरी में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रेडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-9 अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 9.5 मीटर रखें।
- पिछले माह बोयी गई साग-सब्जियों की निकास-गुराई करें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग फैलाते है। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 33.1 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 25.1 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)  
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)  
नोडल पदाधिकारी